प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में कृषि संचार विभाग के पूर्व विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की कार्यशाला आयोजित

पंतनगर। २१ अगस्त, २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि संचार विभाग द्वारा 'कल आज और कल' विषय पर पुरातन विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डा. जे. कुमार थे।

अपने मुख्य अतिथि के संबोधन में अधिष्ठाता कृषि, डा. जे. कुमार, ने बताया कि वर्तमान परिवेश में कृषकों की आय दोगुनी करने के प्रयासों का अधिक दारोमदार कृषि प्रसार गतिविधियों पर है। आज कृषि शोधों से उत्पन्न उपलब्ध ज्ञान यदि प्रसार एवं मीडिया के माध्यम से कृषकों तक सफलतापूर्वक पहुंच सके तो देश के कृषि परिदृष्य में व्यापक परिवर्तन संभव हो सकता है। उन्होंने इस दिशा में चल रहे कृषि संचार विभाग के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय कृषि विज्ञान निधि परियोजना एवं फार्मर फर्स्ट परियोजना के परिणाम अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुए हैं।

कार्यक्रम में संबोधित करते हुए पूर्व विभागाध्यक्ष, डा. एम.पी. सक्सेना, ने कृषि संचार विभाग के स्थापना एवं विकास की विस्तृत जानकारी दी तथा विभाग की विश्वविद्यालय की गतिविधियों में विशिष्ट भूमिका का वर्णन किया। उन्होंने देश के कृषि विकास में कृषि संचार की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। देश के जाने माने संचारविद, डा. जैनेन्द्र कुमार दोषी, ने देश के विकास में संचार की विशिष्ट भूमिका का उल्लेख किया तथा बताया कि पत्रकारिता, दूरदर्शन, रेडियो तथा ऐसे अन्य संचार माध्यमों से कृषि विकास की गति तेज की जा सकती है।

कार्यशाला में कृषि संचार एवं प्रसार शिक्षा को उत्कृष्ट बनाने की दिशा में भी चर्चा हुई। कृषि प्रसार शिक्षा को प्रासंगिक बनाने के लिए पूर्व विद्यार्थियों ने वर्तमान छात्र-छात्राओं के साथ अपने अनुभव साझा किये एवं वर्तमान छात्र-छात्राओं ने बेबाकी से अपने प्रश्नों के उत्तर पाए। गणमान्य अतिथियों द्वारा कार्यशाला में संचार गैलरी का भी उद्घाटन किया गया। संचार एवं कृषि संचार के भूतकाल, वर्तमाान एवं भविष्य का संक्षेप प्रदर्शन करती इस गैलरी का समस्त प्रतिभागियों ने भ्रमण किया। कार्यशाला के अन्त में विभागाध्यक्ष, डा. एस.के. कश्यप, ने गणमान्य अतिथियों, पूर्व छात्र-छात्राओं एवं संचार विभाग के शिक्षकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए उन्होंने वर्तमान छात्र-छात्राओं को भी सराहा। कार्यक्रम के समन्वयक सह प्राध्यापक, डा. अमरदीप, थे।

इस कार्यशाला में कृषि संचार विभाग के संस्थापक अध्यक्ष, डा. एम.पी. सक्सेना, प्रख्यात कृषि संचार विशेषज्ञ एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, डा. जे.के. दोषी सहित पूर्व शिक्षक एवं छात्रों ने सहभागिता की। पूर्व छात्रों में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में संयुक्त निदेशक शोध एवं प्रसार, डा. जे.पी. शर्मा; भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के प्रधान वैज्ञानिक, डा. केशव, डा. मनजीत सिंह नैन, डा. ज्योति रंजन एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक, डा. नफीस अहमद; प्रधान वैज्ञानिक, राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी, डा. सूर्या राठौर; विभागाध्यक्ष प्रसार शिक्षा, एम.पी.के.वी. राहुरी, डा. मिलिन्द चैत्रम अहिरे; विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की वैज्ञानिक, डा. रेनू जेठी; अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नारायणपुर, डा. रतना नषिने; संचार निदेशक, डा. एस.पी. गुप्ता; पूर्व प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, इलैक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी, डा. अविनाश कुमार लाल; सहायक तकनीकी अधिकारी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, डा. रजनीश राजपूत; तकनीकी अधिकारी, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, डा. रूपेश रंजन; इत्यादि उपस्थित थे। समस्त प्रतिभागियों ने पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि संचार विभाग से अपनी स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है।

. कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में संबोधित करते अधिष्ठाता कृषि, डा. जे. कुमार।

(नरेश कुमार)
समाचार समन्वयक